नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव पास बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

पास बुक्स में नं. 1

संजीव®

पास बुक्स

राजनीति विज्ञान-XII

(1) समकालीन विश्व राजनीति (भाग-1) एवं

(2) स्वतन्त्र भारत में राजनीति (भाग-2)

(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड मॉडल पेपर 2022-23 एवं बोर्ड पेपर 2023 के प्रश्नों का अन्दर समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2024

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

संजीव प्रकाशन

धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

जयपुर-3

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

****

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

समकालीन विश्व राजनीति (भाग-1)

1. दो ध्रुवीयता का अन्त 1–24
2. सत्ता के समकालीन केन्द्र 25–48
3. समकालीन दक्षिण एशिया 49–74
4. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन 75–102
5. समकालीन विश्व में सुरक्षा 103–127
6. पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन 128–152
7. वैश्वीकरण 153–174

स्वतन्त्र भारत में राजनीति (भाग-2)

1. राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ 175–198
2. एक दल के प्रभुत्व का दौर 199–218
3. नियोजित विकास की राजनीति 219–230
4. भारत के विदेश सम्बन्ध 231–255
5. कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना 256–279
6. लोकतान्त्रिक व्यवस्था का संकट 280–300
7. क्षेत्रीय आकांक्षाएँ 301–327
8. भारतीय राजनीति : नए बदलाव 328–348

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न **349–359**

❑❑❑

ये हम नहीं कहते,

जमाना कहता है

संजीव पास बुक्स है नं. 1

दैनिक भास्कर

जयपुर, 12 जुलाई , 2022

राजस्थान का प्रमुख दैनिक

सफलता का पर्याय बनीं संजीव पास बुक्स

जयपुर। लंबे समय से संजीव पास बुक्स अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आँकड़ों तथा सरल भाषा के कारण विद्यार्थियो में सर्वाधिक लोकप्रिय बनी हुई है। लाखों विद्यार्थी संजीव पास बुक्स से अध्ययन कर सफलता अर्जित कर रहे हैं। स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव पास बुक्स अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 5 से 8 के लिए संजीव रिफ्रेशर आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव रिफ्रेशर प्रकाशित की जाती हैं। कॉलेज स्तर पर भी राजस्थान के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार प्रथम वर्ष से एम.ए. तक के लिए संजीव पास बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल के अनुसार संजीव पास बुक्स सहित अन्य सभी पुस्तकें पूर्णत: नवीनतम पाठ्यपुस्तकों एवं नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती हैं।

राजस्थान पत्रिका

जयपुर, 7 जुलाई , 2022

राजस्थान का प्रमुख दैनिक

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनी संजीव पास बुक्स

जयपुर। संजीव पास बुक्स अपनी पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम और सरल भाषा के चलते विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल का कहना है कि हमारी पुस्तकें नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती है, जिसमें अनुभवी विशेषज्ञों का योगदान होता है। साथ ही समय-समय पर इन्हें अपडेट भी किया जाता है, इससे सहायक पुस्तकों के रूप में विद्यार्थियों के लिए ये बहुत उपयोगी हो जाती है। गौरतलब है कि संजीव पासबुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पुस्तकें, रिफ्रेशर आदि पुस्तकों की कक्षा 3 से एम.ए. तक के छात्रों के बीच अच्छी डिमांड है।

संजीव पास बुक्स कक्षा 3 से एम. ए. के लिए

प्रकाशक–संजीव प्रकाशन, जयपुर-3

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2023

राजनीति विज्ञान

(Political Science)

समय : 3 घण्टे : 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ (Section-A)

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions) :

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिये :

Answer the following questions and write them in the answer-book by choosing the correct option :

(i) प्रथम महायुद्ध का कालखण्ड था— [1]

(अ) 1910-1915 (ब) 1914-1918 (स) 1915-1920 (द) 1913-1917

The period of the First World War was—

(A) 1910-1915 (B) 1914-1918 (C) 1915-1920 (D) 1913-1917

(ii) किस सैन्य अभियान को 'प्रथम खाड़ी युद्ध' के नाम से जाना जाता है? [1]

(अ) ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म (ब) ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच

(स) ऑपरेशन एन्ड्यूरिंग फ्रीडम (द) ऑपरेशन इराकी फ्रीडम

Which military operation is known as the 'First Gulf War'?

(A) Operation Desert Storm (B) Operation Infinite Reach

(C) Operation Enduring Freedom (D) Operation Iraqi Freedom

(iii) यूरोपीय संघ की मुद्रा का नाम है— [1]

(अ) रुपया (ब) रूबल (स) यूरो (द) डॉलर

The name of the currency of the European Union is—

(A) Rupee (B) Ruble (C) Euro (D) Dollar

(iv) 'दक्षिण एशिया' में सम्मिलित देश है— [1]

(अ) भारत (ब) जापान (स) चीन (द) मलेशिया

The country included in South Asia, is—

(A) India (B) Japan (C) China (D) Malaysia

(v) क्योटो प्रोटोकाल 1997 में मुख्य विषय वस्तु थी— [1]

(अ) ग्रीन हाऊस गैस उत्सर्जन को कम करना (ब) निशस्त्रीकरण पर बल

(स) आतंकवाद का विरोध (द) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि

The main theme of Kyoto Protocol 1997 was—

(A) Reducing greenhouse gas emissions (B) Emphasis on disarmament

(C) Opposing terrorism (D) Growth in International Trade

(vi) विश्व का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है— [1]

(अ) मिश्र (ब) ईरान (स) सऊदी अरब (द) इराक

The world's largest oil producing country is—

(A) Egypt (B) Iran (C) Saudi Arabia (D) Iraq

(vii) निम्न में से कौन 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' से सम्बंधित है? [1]

(अ) महात्मा गाँधी (ब) सरदार पटेल (स) जवाहर लाल नेहरू (द) भीमराव अम्बेडकर

Which of the following is related to 'Tryst with Destiny'?
(A) Mahatma Gandhi (B) Sardar Patel
(C) Jawaharlal Nehru (D) Bhimrao Ambedkar

(viii) 'खुली प्रतिस्पर्धा और बाजारमूलक अर्थव्यवस्था के जरिये प्रगति' की पक्ष वाली राजनीतिक विचारधारा को कहते हैं— [1]
(अ) वामपंथ (ब) दक्षिण पंथ (स) कट्टरपंथ (द) पंथनिरपेक्ष
The political ideology in 'Faxour of progress through open competition and market-oriented economy' is called_
(A) Left (B) Right
(C) Fundamentalism (D) Secular

(ix) 'बांडुंग सम्मेलन' कब हुआ? [1]
(अ) 1951 (ब) 1952 (स) 1954 (द) 1955
When did the 'Bandung Conference' take place?
(A) 1951 (B) 1952 (C) 1954 (D) 1955

(x) 1971 के लोकसभा चुनावों में इन्दिरा गाँधी की कांग्रेस (आर) को कितनी सीटें मिली? [1]
(अ) 352 (ब) 258 (स) 345 (द) 313
How many seats did Indira Gandhi's Congress (R) get in the 1971 Lok Sabha elections?
(A) 352 (B) 258 (C) 345 (D) 313

(xi) 1974 में 'सम्पूर्ण क्रान्ति' का आह्वान किसने किया? [1]
(अ) मोरारजी देसाई (ब) जयप्रकाश नारायण (स) जार्ज फर्नान्डिस (द) चारू मजूमदार
Who gave the call for 'Total Revolution' in 1974?
(A) Morarji Desai (B) Jayaprakash Narayan
(C) George Fernandes (D) Charu Mazumdar

(xii) 1989 में राष्ट्रीय मोर्चा सरकार के प्रधानमन्त्री कौन बने ? [1]
(अ) चौधरी चरण सिंह (ब) मोरारजी देसाई (स) वी.पी. सिंह (द) चन्द्र शेखर
Who became the Prime Minister of the National Front government in 1989?
(A) Chaudhary Charan Singh (B) Morarji Desai
(C) V.P. Singh (D) Chandrashekhar

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (Fill in the blanks) :

(i) चेकोस्लोवाकिया के विभाजन से .....तथा.....नामक दो देश बने। [1]
The division of Czechoslovakia created two countries named.....and ..... .

(ii) श्रीलंका की राजनीति में .....समुदाय का प्रभाव रहा है। [1]
.....community has an influence in the politics of Sri Lanka.

(iii) 1944 में उद्योगपतियों के समूह द्वारा नियोजित अर्थव्यवस्था के प्रस्ताव को ..... कहा जाता है। [1]
The proposal for planned economy by group of industrialist in 1944 is called the..... .

(iv) तिब्बत के पारम्परिक नेता ..... ने 1959 में भारत से शरण माँगी। [1]
....., traditional leader of Tibet, sought asylum in India in 1959.

(v) 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 द्वारा अनुच्छेद .....समाप्त कर दिया गया। [1]
On 5th August 2019 Article ..... was abolished by the Jammu and Kashmir Reorganisation Act 2019.

(vi) 2004 के लोकसभा चुनाव में ..... गठबन्धन की सरकार बनी। [1]
..... Alliance government was formed in the 2004 Lok Sabha elections.

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (Very Short Answer Type Questions) :

(i) शीत युद्ध के दौरान छोटे राज्यों को महाशक्तियों द्वारा अपने गुटों में सम्मिलित करने का कोई एक कारण बताइये। [1]
Give any one reason for the integration of small states by the superpowers into their blocs during the Cold War.

(ii) अमेरिका के रक्षा विभाग मुख्यालय का नाम बताइये। [1]
Name the US Defence Department headquarter.

(iii) 'आसियान' संगठन के किन्हीं चार सदस्य देशों के नाम लिखिये। [1]
Write the names of any four member countries of the ASEAN organization.

(iv) भारत की 'लुक ईस्ट' व 'एक्ट ईस्ट' नीति के अन्तर्गत कौनसे देश आते हैं? [1]
Which countries come under India's 'Look East' and 'Act East' policy?

(v) 'लीग ऑफ नेशन्स' के स्थान पर 'संयुक्त राष्ट्र संघ' की स्थापना का प्रमुख कारण क्या था? [1]
What was the main reason for the establishment of the 'United Nations' in place of the 'League of Nations'?

(vi) सुरक्षा के अपारम्परिक धारणा के दो पक्ष कौनसे हैं? [1]
What are the two sides of the non-traditional conception of security?

(vii) 'सीमान्त गाँधी' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुए? [1]
Who is famous as 'Frontier Gandhi?

(viii) प्रथम पंचवर्षीय योजना कब शुरू की गई? [1]
When was the first five year plan started?

(ix) 1961 में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का पहला सम्मेलन कहाँ हुआ? [1]
Where was the first conference of the Non-Aligned Movement held in 1961?

(x) लालबहादुर शास्त्री की मृत्यु के पश्चात उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में किन नेताओं के बीच मुकाबला था? [1]
After the death of Lal Bahadur Shastri, there was a contest between which leaders as his political successor?

(xi) 25 जून, 1975 को संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत आपातकाल की घोषणा की गई? [1]
Under which article of the constitution, emergency was declared on 25 June 1975?

(xii) मण्डल आयोग ने पिछड़ी जातियों के लिये क्या सिफारिश की थी? [1]
What was the recommendation of the Mandal Commission for the backward castes?

खण्ड-ब (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–(उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)
Short Answer Type Questions – (Answer limit about 50 words)

4. सोवियत संघ के विघटन के समय वहाँ के राष्ट्रपति कौन थे? [2]
Who was the President of the Soviet Union at the time of its disintegration?

5. 'अमेरिकी शक्ति पर स्वयं अमेरिका ही अवरोध है।' इस कथन के आधार पर अमेरिकी शक्ति पर कोई दो अवरोध बताइये। [2]
'The constraint to American power is America itself'. On the basis of this statement, mention any two constraints on American power.

6. चीन में 'कृषि के निजीकरण' से क्या लाभ हुए? (कोई दो)। [2]
What were the benefits of 'privatization of agriculture' in China? (Any two)

7. 'भारत व पाकिस्तान के मध्य विवाद का मुख्य कारण पाक द्वारा आतंकवाद को प्रोत्साहन देना है।' इसके कोई दो उदाहरण दीजिये। [2]
'The main reason for dispute between India and Pakistan is the encouragement of terrorism by Pakistan'. Give any two examples.

8. 'अप्रवासी' एवं 'शरणार्थी' में अन्तर बताइये। [2]
Differentiate between 'migrants' and 'refugees'.

9. खनिज उद्योगों से पर्यावरण को होने वाले कोई दो दोष बताइये। [2]
Mention any two disadvantages caused by mineral industries to the environment.

10. 'स्वतन्त्रता के समय ब्रिटिश इण्डिया दो भागों में था।' इस कथन को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। [2]
'At the time of independence British India was in two parts'. Explain this statement in brief.

11. आपके मतानुसार हरित क्रान्ति के कोई दो प्रभाव बताइये। [2]
Mention any two effects of the Green Revolution according to you.

12. स्वतन्त्रता के बाद भारत और चीन के मध्य मैत्री संबंधों के खराब होने के कोई दो कारण बताइये। [2]
Give any two reasons for the deterioration of friendly relations between India and China after independence.

13. लालबहादुर शास्त्री के सामने रही कोई दो चुनौतियों की संक्षिप्त विवेचना कीजिये। [2]
Briefly discuss any two challanges faced by Lal Bahadur Shastri.

14. 'चिपको-आन्दोलन' में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के कारण को स्पष्ट कीजिये। [2]
Explain the reason for active participation of women in 'Chipko-Movement'.

15. दलित पैंथर्स संगठन के उद्देश्य को संक्षेप में स्पष्ट कीजिये। [2]
Briefly explain the objective of Dalit Panther Organization.

16. 'बामसेफ' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये। [2]
Write a short note on BAMCEF.

खण्ड-स (Section-C)

दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)
Long Answer Type Questions – (Answer limit about 100 words)

17. 'शॉक थेरेपी' के कोई तीन परिणाम बताइये। [3]
Mention any three consequences of 'Shock therapy.'

18. आपके मतानुसार भारत संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद् का स्थाई सदस्य होना चाहिये। अपने मत के पक्ष में तीन तर्क दीजिये। [3]
According to you, India should be permanent member of the United Nations Security Council, Give any three arguments in favour of your opinion.

19. 'स्वतन्त्रता से अब तक मतदान के तरीके बदलते रहे हैं।' इस कथन के आधार पर तीनों तरीकों को संक्षेप में बताइये। [3]
'Voting methods have been changing since independence'. On the basis of this statement, briefly explain the three methods.

20. 1975 में आपातकाल घोषित करने के पीछे कौन-सा घटनाक्रम हुआ? कोई दो घटनाएँ बताइये। [3]
What events were happened behind the declaration of emergency in 1975? Write any two.

खण्ड-द (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न–(उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द) :
Essay Type Questions – (Answer limit about 250 words)

21. 'क्यूबा मिसाइल संकट शीत युद्ध का चरम बिन्दु था।' इस कथन की विस्तृत विवेचना कीजिये। [4]
The Cuban Missile Crisis was the high point of the Cold War. Discuss this statement in detail.

अथवा/OR

'शीत युद्ध के दौरान दो-ध्रुवीयता को गुटनिरपेक्षता ने चुनौती दी।' इस कथन के संदर्भ में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के उदय व भूमिका को स्पष्ट कीजिये।
'Non-alignment challenged the biopolarity during the Cold War'. In the context of this statement, explain the rise and role of the Non-Aligned Movement.

22. वैश्वीकरण का अर्थ बताते हुए इसके कारणों की विवेचना कीजिये। [4]
Explain the meaning of globalization and discuss its causes.

अथवा/OR

वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभावों की विवेचना कीजिये।
Discuss the economic impact of globalization.

23. 'भारत में क्षेत्रीय आकांक्षाएँ अलग राज्य बनाने की माँग, आर्थिक विकास या अलगाववाद के रूप में प्रकट होती रही है।' इसके विविध उदाहरणों से क्या सबक सीख सकते हैं? विवेचना कीजिये। [4]
'Regional aspirations in India have been manifested in the form of economic development or separatism, demanding separate states'. What lessons can be learnt it diverse examples? Explain.

अथवा/OR

भारत में सिक्किम के विलय के घटनाक्रम की विवेचना कीजिये।
Discuss the events of the merger of Sikkim in India.

राजनीति विज्ञान–XII

समकालीन विश्व राजनीति (भाग 1)

1. दो ध्रुवीयता का अन्त

पाठ-सार

सोवियत प्रणाली–(1) समाजवादी सोवियत गणराज्य रूस में हुई 1917 की समाजवादी क्रान्ति के बाद अस्तित्व में आया।

(2) सोवियत प्रणाली की धुरी कम्युनिस्ट पार्टी थी।

(3) सोवियत अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध और राज्य के नियन्त्रण में थी।

(4) दूसरे विश्व युद्ध के बाद पूर्वी यूरोप के देश सोवियत संघ के अंकुश में आ गए। इन सभी देशों की राजनीतिक-सामाजिक व्यवस्था को सोवियत संघ की समाजवादी प्रणाली में ढाला गया। इन्हें ही समाजवादी खेमे के देश या दूसरी दुनिया कहा गया। इनका नेता सोवियत संघ था। इस प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में उभरा।

(5) अमरीका को छोड़कर शेष विश्व की तुलना में सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था कहीं ज्यादा विकसित थी।

(6) लेकिन, सोवियत प्रणाली पर नौकरशाही का शिकंजा कसता चला गया। यह प्रणाली सत्तावादी होती गयी और नागरिकों का जीवन कठिन होता चला गया। सोवियत संघ में कम्युनिस्ट पार्टी का शासन था जिसका सभी संस्थाओं पर गहरा अंकुश था तथा यह दल जनता के प्रति उत्तरदायी नहीं था। सोवियत संघ के 15 गणराज्यों में रूसी गणराज्य का हर मामले में वर्चस्व था। अन्य क्षेत्रों की जनता अपने आपको उपेक्षित और दमित महसूस करती थी। हथियारों की होड़ में सोवियत संघ ने समय-समय पर अमरीका को बराबर टक्कर दी, लेकिन उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। वह प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढाँचे के मामले में पश्चिमी देशों की तुलना में पीछे रह गया। यह अपने नागरिकों की राजनीतिक और आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सका। 1979 में अफगानिस्तान में हस्तक्षेप से उसकी अर्थव्यवस्था और कमजोर हुई। यहाँ उपभोक्ता वस्तु की कमी हो गयी तथा 1970 के दशक के अन्तिम वर्षों में यह व्यवस्था लड़खड़ाने लगी थी।

गोर्बाचेव और सोवियत संघ का विघटन–1980 के दशक के मध्य में गोर्बाचेव सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव बने। उसने पश्चिम के देशों के साथ सम्बन्धों को सामान्य बनाने, सोवियत संघ को लोकतान्त्रिक रूप देने और वहाँ सुधार करने का फैसला किया। इस फैसले की अकल्पनीय परिणतियाँ हुईं—

(1) पूर्वी यूरोप की साम्यवादी सरकारें जनता के दबाव में एक के बाद एक गिर गईं। वहाँ लोकतान्त्रिक व्यवस्था की स्थापना हुई।

(2) देश के अन्दर आर्थिक-राजनीतिक सुधारों और लोकतन्त्रीकरण का जहाँ साम्यवादी दल के नेताओं द्वारा विरोध किया गया, वहीं जनता और तेजी से सुधार चाहती थी। परिणामतः 1991 में सोवियत संघ के तीन बड़े गणराज्यों—रूस, यूक्रेन और बेलारूस—ने सोवियत संघ की समाप्ति की घोषणा की। इन्होंने पूँजीवाद और लोकतन्त्र को अपना आधार बनाया। इन्होंने स्वतन्त्र राज्यों के राष्ट्रकुल का गठन किया। बाकी गणराज्यों को राष्ट्रकुल का संस्थापक सदस्य बनाया गया।

(3) रूस को सुरक्षा परिषद् में सोवियत संघ की सीट मिली। सोवियत संघ के अन्तर्राष्ट्रीय करार और सन्धियों को निभाने की जिम्मेदारी रूस को सौंपी गयी। इस प्रकार सोवियत संघ का पतन हुआ।

सोवियत संघ के विघटन का घटना-चक्र–

मार्च, 1985 – मिखाइल गोर्बाचेव सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव चुने गए। बोरिस

येल्तसिन को रूस की कम्युनिस्ट पार्टी का प्रमुख बनाया। सोवियत संघ में सुधारों की श्रृंखला शुरू की।

1988 – लिथुआनिया में आजादी के लिए आंदोलन शुरू। एस्टोनिया और लताविया में भी फैला।

अक्टूबर, 1989 – सोवियत संघ ने घोषणा की कि 'वारसा समझौते' के सदस्य अपना भविष्य तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। नवम्बर में बर्लिन की दीवार गिरी।

फरवरी, 1990 – गोर्बाचेव ने सोवियत संसद ड्यूमा के चुनाव के लिए बहुदलीय राजनीति की शुरुआत की। सोवियत सत्ता पर कम्युनिस्ट पार्टी का 72 वर्ष पुराना एकाधिकार समाप्त।

जून, 1990 – रूसी संसद ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता घोषित की।

मार्च, 1990 – लिथुआनिया स्वतंत्रता की घोषणा करने वाला पहला सोवियत गणराज्य बना।

जून, 1991 – येल्तसिन का कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा। रूस के राष्ट्रपति बने।

अगस्त, 1991 – कम्युनिस्ट पार्टी के गरमपंथियों ने गोर्बाचेव के खिलाफ एक असफल तख्तापलट किया।

सितम्बर, 1991 – एस्टोनिया, लताविया और लिथुआनिया बाल्टिक गणराज्य संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य बने।

दिसम्बर, 1991 – रूस, बेलारूस और यूक्रेन ने 1922 की सोवियत संघ के निर्माण से संबद्ध संधि को समाप्त करके स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रकुल बनाया। आर्मेनिया, अजरबैजान, माल्दोवा, कजाकिस्तान, किरगिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान भी राष्ट्रकुल का हिस्सा बने। 1993 में जार्जिया राष्ट्रकुल का सदस्य बना। संयुक्त राष्ट्रसंघ में सोवियत संघ की सीट रूस को मिली।

25 दिसंबर, 1991 – गोर्बाचेव ने सोवियत संघ के राष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया तथा सोवियत संघ का अंत हुआ।

सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ?

(1) सोवियत संघ की राजनीतिक-आर्थिक संस्थाएं अन्दरूनी कमजोरी के कारण लोगों की आकांक्षाएँ पूरा नहीं कर सकीं। यही सोवियत संघ के पतन का प्रमुख कारण रहा।

(2) परमाणु हथियार, सैन्य साजो-सामान तथा पूर्वी यूरोप के पिछलग्गू देशों के विकास पर हुए खर्चों से सोवियत संघ पर गहरा आर्थिक दबाव बना, सोवियत व्यवस्था इसका सामना नहीं कर सकी।

(3) पश्चिमी देशों की तरक्की के बारे में सोवियत संघ की जनता को जब यह जानकारी मिली कि सोवियत संघ पश्चिमी देशों से काफी पीछे है तो इससे जनता को राजनीतिक-मनोवैज्ञानिक धक्का लगा।

(4) गतिरुद्ध प्रशासन, भारी भ्रष्टाचार, पार्टी का जनता के प्रति जवाबदेह न होना, खुलेपन का अभाव तथा केन्द्रीकृत सत्ता के कारण जनता शासन से अलग-थलग पड़ चुकी थी। सरकार का जनाधार खिसक गया था।

(5) गोर्बाचेव ने जब सुधारों को लागू किया तो आकांक्षाओं-अपेक्षाओं का जनता का जो ज्वार उमड़ा, शासन उसका सामना नहीं कर सका। जहाँ आम जनता और तीव्र सुधार चाहती थी, वहाँ सत्ताधारी वर्ग इस बात से असन्तुष्ट था कि गोर्बाचेव सुधारों में बहुत जल्दबाजी दिखा रहे हैं। फलतः गोर्बाचेव का समर्थन हर तरफ से जाता रहा।

(6) रूस, बाल्टिक गणराज्यों, यूक्रेन तथा जार्जिया में राष्ट्रवादी भावनाओं और सम्प्रभुता की इच्छा का उभार सोवियत संघ के विघटन का तात्कालिक कारण सिद्ध हुआ।

विघटन की परिणतियाँ–सोवियत संघ के विघटन से प्रमुख परिणाम ये निकले—(1) शीत युद्ध के दौर की समाप्ति हुई। (2) अमेरिका विश्व में अकेला महाशक्ति बन बैठा। इस प्रकार एकध्रुवीय विश्व का उदय हुआ। (3) उदारवादी लोकतन्त्र राजनीतिक जीवन को सूत्रबद्ध करने की सर्वश्रेष्ठ धारणा के रूप में उभरा। (4) सोवियत संघ से अलग होकर अनेक नये देशों का उदय हुआ।

साम्यवादी शासन के बाद 'शॉक थेरेपी'–साम्यवाद के पतन के बाद सोवियत संघ के गणराज्य एक सत्तावादी, समाजवादी व्यवस्था से लोकतान्त्रिक पूँजीवादी व्यवस्था तक के कष्टप्रद संक्रमण से होकर गुजरे। यथा—

(1) निजी स्वामित्व को मान्यता–राज्य की सम्पदा का निजीकरण और पूँजीवादी ढाँचे को तुरन्त अपनाने पर बल दिया गया।

(2) मुक्त व्यापार–मुक्त व्यापार को पूर्ण रूप से अपनाना जरूरी माना गया।

(3) पूँजीवादी व्यवस्था को अपनाना–पूँजीवादी व्यवस्था को अपनाने के लिए वित्तीय खुलापन, मुद्राओं की आपसी परिवर्तनीयता और मुक्त व्यापार की नीति पर बल दिया गया।

(4) पश्चिमी देशों से प्रत्यक्ष सम्बन्ध की स्थापना–सोवियत खेमे के देशों के बीच मौजूद व्यापारिक गठबन्धनों को समाप्त कर प्रत्येक देश को सीधे पश्चिमी देशों से जोड़ा गया।

शॉक थेरेपी के परिणाम–

(1) 'शॉक थेरेपी' से पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो गई। पूरा राज्य-नियन्त्रित औद्योगिक ढाँचा चरमरा गया। 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी कम्पनियों को बेचा गया।

(2) रूसी मुद्रा रूबल के मूल्य में नाटकीय ढंग से गिरावट आयी। मुद्रास्फीति इतनी बढ़ गई कि लोगों की जमा पूँजी जाती रही।

(3) पुराने व्यापारिक ढाँचे के स्थान पर कोई वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित नहीं हो पायी।

(4) खाद्यान्न सुरक्षा व्यवस्था, समाज कल्याण की पुरानी व्यवस्था को नष्ट कर दिया गया। इससे अमीर-गरीब की खाई और बढ़ गयी।

(5) लोकतान्त्रिक संस्थाओं के निर्माण के कार्य को प्राथमिकता के साथ नहीं किया गया। फलतः संसद एक कमजोर संस्था रह गयी। न्यायिक संस्कृति और न्यायपालिका की स्वतन्त्रता स्थापित नहीं हो पायी।

(6) अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्था के पुनर्जीवन का आधार बना—खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और धातु।

संघर्ष और तनाव–

(1) अनेक गणराज्यों में गृहयुद्ध हुए और बगावत हुई।

(2) इन देशों में बाहरी ताकतों की दखल बढ़ी।

(3) अनेक में हिंसक अलगाववादी आन्दोलन चले।

(4) मध्य एशियाई गणराज्य पेट्रोलियम के विशाल तेल भण्डारों के कारण बाहरी ताकतों और तेल कम्पनियों की आपसी प्रतिस्पर्द्धा का अखाड़ा बन गये। अमेरिका इस क्षेत्र में सैनिक ठिकाना बनाना चाहता है और रूस इन राज्यों को अपना निकटवर्ती विदेश मानता है और उसका मानना है कि इन्हें रूस के प्रभाव में रहना चाहिए। चीनियों ने भी सीमावर्ती क्षेत्र में आकर व्यापार शुरू कर दिया है।

पूर्व-साम्यवादी देश और भारत–भारत के सम्बन्ध रूस के साथ गहरे हैं। भारत-रूस सम्बन्धों का इतिहास आपसी विश्वास और साझे हितों का इतिहास है। ये सम्बन्ध जनता की अपेक्षाओं से मेल खाते हैं। रूस और भारत दोनों का सपना बहुध्रुवीय विश्व का है।

भारत को रूस के साथ अपने सम्बन्धों के कारण अनेक मसलों में फायदे हुए हैं, जैसे—कश्मीर समस्या, ऊर्जा आपूर्ति, चीन के साथ सम्बन्धों में सन्तुलन लाना आदि। रूस का भारत से लाभ यह है कि भारत उसके हथियारों का एक बड़ा खरीददार देश है। रूस ने तेल के संकट की घड़ी में भारत की हमेशा मदद की। रूस भारत की परमाणविक योजना के लिए महत्त्वपूर्ण है।

पाठगत प्रश्न

पृष्ठ 8

प्रश्न 1. पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या 8 पर दिये गये मानचित्र में मध्य एशियाई देशों को चिह्नित करें।

उत्तर–मध्य एशियाई देश ये हैं—(1) उज्बेकिस्तान (2) ताज़िकिस्तान (3) कजाकिस्तान (4) किरगिझस्तान (5) तुर्कमेनिस्तान।

प्रश्न 2. मैंने किसी को कहते हुए सुना है कि, ''सोवियत संघ का अन्त समाजवाद का अन्त नहीं है।'' क्या यह संभव है?

उत्तर–यह सही है कि सोवियत संघ का अन्त समाजवाद का अन्त नहीं है। यद्यपि सोवियत संघ समाजवादी विचारधारा का प्रबल समर्थक तथा उसका प्रतीक था, लेकिन वह समाजवाद के एक रूप का प्रतीक था। समाजवाद के अनेक रूप हैं और समाजवादी विचारधारा के उन रूपों को अभी भी विश्व के अनेक देशों ने अपना रखा है। दूसरे, समाजवाद एक विचारधारा है जिसमें देश, काल और परिस्थितियों के अनुसार विकास होता रहा है और अब भी हो रहा है। इसलिए सोवियत संघ का अन्त समाजवाद का अन्त नहीं है।

पृष्ठ 12

प्रश्न 1. सोवियत और अमरीकी दोनों खेमों के शीत युद्ध के दौर के पाँच-पाँच देशों के नाम लिखिए।

उत्तर–शीत युद्ध के दौर के सोवियत और अमरीकी खेमों के 5-5 देशों के नाम निम्नलिखित हैं—

(1) अमरीकी खेमे के देश—(1) संयुक्त राज्य अमेरिका (2) इंग्लैंड (3) फ्रांस (4) पश्चिमी जर्मनी (5) इटली।

(2) सोवियत खेमे के देश–(1) सोवियत संघ (2) पूर्वी जर्मनी (3) पोलैंड (4) रोमानिया (5) हंगरी।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

प्रश्न 1. सोवियत अर्थव्यवस्था की प्रकृति के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है?

(क) सोवियत अर्थव्यवस्था में समाजवाद प्रभावी विचारधारा थी।
(ख) उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व/नियन्त्रण होना।
(ग) जनता को आर्थिक आजादी थी।
(घ) अर्थव्यवस्था के हर पहलू का नियोजन और नियन्त्रण राज्य करता था।

उत्तर–(ग) जनता को आर्थिक आजादी थी।

प्रश्न 2. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार सजाएँ–

(क) अफगान-संकट (ख) बर्लिन-दीवार का गिरना
(ग) सोवियत संघ का विघटन (घ) रूसी क्रान्ति।

उत्तर–(क) रूसी क्रान्ति (1917) (ख) अफगान संकट (1979) (ग) बर्लिन-दीवार का गिरना (1989) (घ) सोवियत संघ का विघटन (1991)।

प्रश्न 3. निम्नलिखित में कौनसा सोवियत संघ के विघटन का परिणाम नहीं है?

(क) संयुक्त राज्य अमरीका और सोवियत संघ के बीच विचारधारात्मक लड़ाई का अन्त
(ख) स्वतन्त्र राज्यों के राष्ट्रकुल (सी आई एस) का जन्म
(ग) विश्व-व्यवस्था के शक्ति-सन्तुलन में बदलाव
(घ) मध्य-पूर्व में संकट।

उत्तर–(घ) मध्य-पूर्व में संकट।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में मेल बैठाएँ–

(1) मिख़ाइल गोर्बाचेव	(क) सोवियत संघ का उत्तराधिकारी
(2) शॉक थेरेपी	(ख) सैन्य समझौता
(3) रूस	(ग) सुधारों की शुरुआत
(4) बोरिस येल्तसिन	(घ) आर्थिक मॉडल
(5) वारसॉ	(ङ) रूस के राष्ट्रपति

उत्तर–

(1) मिख़ाइल गोर्बाचेव	(ग) सुधारों की शुरुआत
(2) शॉक थेरेपी	(घ) आर्थिक मॉडल
(3) रूस	(क) सोवियत संघ का उत्तराधिकारी
(4) बोरिस येल्तसिन	(ङ) रूस के राष्ट्रपति
(5) वारसॉ	(ख) सैन्य समझौता

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

(क) सोवियत राजनीतिक प्रणाली.....की विचारधारा पर आधारित थी।
(ख) सोवियत संघ द्वारा बनाया गया सैन्य गठबन्धन.....था।
(ग) .....पार्टी का सोवियत राजनीतिक व्यवस्था पर दबदबा था।
(घ) .....ने 1985 में सोवियत संघ में सुधारों की शुरुआत की।
(ङ) .....का गिरना शीतयुद्ध के अन्त का प्रतीक था।